सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 117 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 31 मई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

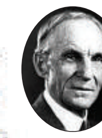

वो एम्प्लायर नहीं होता जो वेतन देता है। एम्प्लॉयर्स बस पैसों को संभालते हैं। वो कस्टमर होता है जो वेतन देता है।
-हेनरी फोर्ड

सिंगापुर ओपन के फाइनल में हारीं... 7 | सियासी केंद्र में आया ओडिशा का... 3 | बीजेपी सरकार में बुनकर बदहाल... 2

सातवें चुनावी द्वार को भेदने को जनता तैयार

अंतिम चरण का मतदान कल 57 सीटों पर होगी टक्कर

मोदी-राहुल समेत सभी दिग्गजों ने की ज्यादा से ज्यादा वोटिंग की अपील

» पीएम मोदी, अनुप्रिया पटेल व सीएम योगी के गढ़ पर रहेगी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शनिवार (1 जून) को अंतिम चरण का मतदान है। इस दौर में 57 सीटें पर मुकाबले होंगे। इस चुनाव के अंतिम किले को भेदने के लिए बीजेपी-राजग व कांग्रेस-इंडिया गठबंधन ने तैयारी पूरी कर ली है। वहीं जनता भी पूरे जोरशोर से वोट डालने को तैयार है। भाजपा के स्टार प्रचारक मोदी, शाह, योगी, राजनाथ ने कई जनसभाएं की वहीं कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे ने लोगों के बीच इंडिया गठबंधन के लिए वोट मांगा।

साथ ही सभी नेताओं ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा वोट देने की आपील की। इस चरण में वाराणसी से पीएम मोदी व यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय के बीच मुकाबला है। इसके अलावा, ओडिशा की 42 विधानसभा सीटों पर भी चुनाव होंगे।

फ़ोटो-कॉन्सेप्ट

कुल 904 उम्मीदवार मैदान में

उत्तर प्रदेश और पंजाब में तेरह-तेरह, पश्चिम बंगाल में नौ, बिहार में आठ, ओडिशा में छह, हिमाचल प्रदेश में चार, झारखंड में तीन और चंडीगढ़ में एक सीट पर एक जून को मतदान होना था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी संसदीय क्षेत्र से लगातार तीसरी बार मैदान में हैं। सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के 57 संसदीय क्षेत्रों में 1 जून को मतदान होगा। इस चरण में कुल 904 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 486 सीट पर मतदान हो चुका है।

प्रचार में खूब हुआ वार-पलटवार

चुनाव प्रचार के दौरान मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने कांग्रेस और विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) पर भ्रष्ट, हिंदू विरोधी होने, तुष्टीकरण और वंशवादी राजनीति में संलिप्त होने जैसे आरोप लगाये। विपक्षी दल दावा कर रहे हैं कि भाजपा किसान विरोधी, युवा विरोधी है और चुनाव जीतने पर संविधान को बदल देगी तथा उसे खत्म कर देगी।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने की चुनौती

इस चरण में जिन राज्यों में चुनाव हो रहे है वहां गर्मी व चक्रवात का असर है ऐसे में चुनाव आयोग के सामने मतदान प्रतिशत बढ़ाने की चुनौती भी होगी। हालांकि आयोग की ओर सेकई इंतजाम करने के दावे किए गए हैं।पहले छह चरणों में मतदान क्रमशः 66.14 प्रतिशत, 66.71, 65.68, 69.16, 62.2 और 63.36 फीसदी रहा।

प्रधानमंत्री मोदी और तीन केंद्रीय मंत्रियों की सीटों पर रहेगी नजर

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही उनके तीन मंत्रियों की भी परीक्षा है। तीनों को प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। गोरखपुर और गाजीपुर सीटों पर भी निगाहें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां खुद काशी से चुनाव मैदान में हैं, वहीं उनकी कैबिनेट के सहयोगी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय चंदौली से, तो अनुप्रिया पटेल मिर्जापुर से भाग्य आजमा रही हैं। राज्यमंत्री पंकज चौधरी महराजगंज से चुनाव मैदान में हैं। गोरखपुर से अभिनेता रवि किशन दूसरी बार मैदान में हैं। मुख्यमंत्री का जिला होने के कारण इस सीट पर भी लोगों की निगाहें हैं। इस चरण में चर्चित सीट गाजीपुर में भी मतदान होगा। गाजीपुर को माफिया मुख्तार अंसारी का गढ़ माना जाता है। यहां से मुख्तार के बड़े भाई और मौजूदा सांसद अफजाल अंसारी सपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा की लहर के बावजूद 2019 में अफजाल बसपा के टिकट पर जीते थे। भाजपा ने स्थानीय पारसनाथ राय को टिकट दिया है।

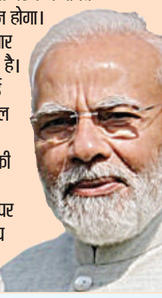

दिल्ली का पानी संकट अब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

» आप सरकार ने दायर की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और हरियाणा सरकार के खिलाफ पानी को लेकर खींचतान जारी है। इसी मामले में दिल्ली सरकार अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। दिल्ली सरकार ने सर्वोच्च अदालत में याचिका दाखिल की है। उन्होंने हरियाणा, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश से मानी की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक महीने अतिरिक्त पानी दिया जाए।

इससे पहले, दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने आरोप लगाते हुए कहा था कि रिकॉर्ड तापमान के बीच हरियाणा सरकार दिल्ली के हिस्से के पानी की कटौती कर रही है। एक दिन पहले,आतिशी ने आरोप लगाया था कि हरियाणा सरकार यमुना में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ रही है। इससे दिल्ली में जल संकट गहराता जा रहा है। हालांकि, इससे निपटने के लिए सरकार ने तैयार है। सरकार ने वाटर टैंकर वार रूम बनाया है, जहां से दिल्लीवासी 1916 पर कॉल कर टैंकर मंगवा सकते हैं। पानी की बर्बादी रोकने के लिए जल बोर्ड की 200 टीमें बनाई गई हैं। इधर, आतिशी ने वजीराबाद तालाब का निरीक्षण कर बताया कि यमुना का सामान्य जलस्तर 674 फीट से घटकर 670.3 फीट पर आ गया है। इससे कई इलाकों में पानी की कमी हो गई है। हरियाणा से यमुना में छोड़े जाने वाला पानी वजीराबाद, चंद्रावल व ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को मिलता है।

केजरीवाल ने यूपी-हरियाणा सरकार से की अपील

दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने भाजपा से राजनीति न करते हुए अपील की है कि यूपी और हरियाणा से दिल्ली को पानी दिलवा दें। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपील की है। दिल्ली सीएम ने लिखा, इस बार पूरे देश में अभूतपूर्व गर्मी पड़ रही है, जिसकी वजह से देश भर में पानी और बिजली का संकट हो गया है। दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड बढ़ गई है। पर इसके बावजूद दिल्ली में बिजली की स्थिति नियंत्रण में है, अन्य राज्यों की तरह पॉवर कट नहीं लग रहे। मैं देख रहा हूं कि बीजेपी के साथी हमारे खिलाफ धरने प्रदर्शन कर रहे हैं। इस से समस्या का समाधान नहीं निकलेगा। मेरी सभी से हाथ जोड़ कर विनती है कि इस वक्त राजनीति करने की बजाय, आइए मिलकर दिल्ली के लोगों को राहत दिलवाएं।

गिरफ्तार प्रज्वल रेवन्ना की आज कोर्ट में पेशी

» मेडिकल जांच के लिए सरकारी अस्पताल लाया गया

» बेंगलुरु हवाई अड्डे पर एसआईटी ने पकड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। प्रज्वल रेवन्ना के पहुंचने से पहले बेंगलुरु में सीआईडी कार्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रज्वल रेवन्ना पर यौन शोषण का आरोप है। प्रज्वल रेवन्ना को एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया है और मेडिकल जांच के लिए सरकारी अस्पताल लाया जा सकता है। रेवन्ना को आज जज के सामने पेश किया जा सकता है।

जानकारी के अनुसार, किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए बेंगलुरु सीआईडी ऑफिस के परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एसआईटी अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद के साथ बैठक भी की। सेक्स स्कैंडल मामले में आरोपी जेडीएस के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को एसआईटी ने बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। एसआईटी की टीम रेवन्ना को लेकर सीआईडी ऑफिस पहुंची है। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ अब तक तीन अलग-अलग मामले दर्ज हैं। इनमे से 3 बलात्कार के और एक यौन उत्पीड़न का है। अब रेवन्ना को एसआईटी जांच का सामना करना पड़ेगा।

बीजेपी सरकार में बुनकर बदहाल किसान बेहाल : अखिलेश यादव

» मऊ की जनता को साधा बोले- गठबंधन की सरकार आने पर नौजवानों को नौकरी मिलेग व किसानों की कर्जमाफी होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने घोसी में जनसभा के दौरान भाजपा सरकार पर जमकर हमला किया। साथ ही मऊ की जनता कहा कि चुनाव में आप सावधान रहिए। बीजेपी सरकार में बुनकर बदहाल हैं। हमारी सरकार आई तो बुनकर की बदहाली को दूर करेंगे। कहा कि जब बीजेपी अपने दोस्तों का कर्ज माफ कर सकती है, तो हमारी सरकार बनी तो किसानों का कर्ज माफ करेंगे। 30 लाख सरकारी नौकरियों को सही आरक्षण लागू करके दिया जाएगा।

शिक्षामित्र, आशा कार्यकार्य और मनरेगा मजदूरों का मानदेय बढ़ाएंगे। कहा कि ये चुनाव हमारे और आपके भविष्य और संविधान को बचाने का है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने घोसी

लोकसभा से इंडी गठबंधन के प्रत्याशी राजीव कुमार राय के समर्थन में सभा को संबोधित किया। कहा कि इतनी गर्मी में जो उत्साह देख रहा हूं। ये समर्थन जीत दिलाने जा रहा है। रिकॉर्ड मतों से जीत होगी।

पीएम 4 जून के बाद कहेंगे मेरी तपस्या में कोई कमी रह गई थी

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वे लोग पिछले कई चरण का चुनाव देखकर घबरा गए हैं। अब उनको छड़ी भी नहीं बचा पाएगी। पीएम महात्मा गांधी जी को याद कर रहे हैं और परिणाम जानकर तपस्या करने जा रहे हैं। परिणाम आएगा तो यही कहेंगे कि उनकी तपस्या में कोई कमी रह गई थी। अखिलेश यादव ने कहा कि जो 400 पार का नारा दे रहे थे, छह चरणों के चुनाव में उनको परिणाम पता चल गया। बीजेपी को 140 सीट भी नहीं मिलेगी। भाजपा ने किसानों, नौजवानों, माताओं और बहनों को धोखा दिया है। किसान पहले से दुखी हैं। देश के पीएम, गृहमंत्री और जिनको कोई नहीं जानता वो उपमुख्यमंत्री कई बार आ चुके हैं। वोट के दिन सावधान रहना।

नौजवानों के साथ धोखा हुआ

कहा कि नौजवान परीक्षा देने गया तो सरकार ने धोखा दिया। सरकार पेपर लीक का लीकेज नहीं रोक पाई। ये पेपर लीक हुए नहीं, सरकार ने जानबूझ कर पेपर लीक कराया है। जिससे नौजवानों को नौकरी नहीं देना पड़े। युवाओं का एक तिहाई जीवन बर्बाद कर दिया। पूर्वांचल के नौजवान तैयारी करते थे, लेकिन सरकार ने आधी- अधूरी अग्निवीर की व्यवस्था की। इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो अग्निवीर को समाप्त कर पक्की नौकरी देंगे और उम्र की वजह से नौकरी छुटी है तो उनके लिए भी कुछ करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि खाकी वर्दी वाले को भी चिंता है कि अगर बीजेपी वाले आ गए तो उनकी नौकरी भी तीन साल की हो जाएगी। बोरी में खाद कम होने के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि बोरी की चोरी बीजेपी वाले पारले जी से सीखकर आए हैं। कहा कि जब 2022 का चुनाव था तो राशन में तेल, चना, नमक दे रहे थे। अब सबकुछ कटौती हो गई। अखिलेश ने कहा कि सपा ने लैपटॉप दिया था, मगर हमारी नकल कर घटिया लैपटॉप बीजेपी ने दिया।

जनसभाओं से गायब रहे सीएम नीतीश : तेजस्वी

» नेता प्रतिपक्ष बोले- लोकसभा नतीजे आने के बाद बिहार में कुछ बड़ा होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने पटना एयरपोर्ट पर कहा कि लोकसभा नतीजे आने के बाद बिहार में कुछ बड़ा होने वाला है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि जब से मैंने भविष्यवाणी की है कि चाचा (नीतीश कुमार) लोकसभा चुनाव के बाद एक बड़ा फैसला लेंगे, वह प्रचार करने के लिए बाहर नहीं जा रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने भी आरोप लगाया कि यह भी पता चला है कि यह राज्यपाल ही हैं जो अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं और निर्देश जारी कर रहे हैं। चुनावी मोर्चे पर, भाजपा और जदयू

बिना किसी तालमेल के काम कर रही है। जदयू वाले लोग अपनी सीटों पर लगे हैं और भाजपा अपनी सीटों पर चुनाव प्रचार कर रही हैं।

पीएम मोदी को उनकी तीन महबूबा चुनाव हरवा देंगी

तेजस्वी यादव ने दावा कि इस बार इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। 300 सीटों से अधिक हमलोग जीतने जा रहे हैं। पीएम मोदी को उनकी तीन महबूबा चुनाव हरवा देगी। बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई पीएम मोदी की तीन महबूबा हैं। पीएम के कन्याकुमारी यात्रा पर तंज कसते हुए तेजस्वी ने कहा कि वह कन्याकुमारी मार्केटिंग करने जा रहे हैं। अगर ध्यान लगाने जा रहे हैं तो कैमरा और मीडिया से दूर रहें।

जयललिता को हिंदुत्ववादी नेता बताने पर बवाल

» अन्नामलाई पर वीके शशिकला ने किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने हाल ही में अन्नाद्रमुक सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के बारे में बात की और कहा कि वह तमिलनाडु में किसी भी अन्य की तुलना में कहीं बेहतर हिंदुत्व नेता थीं।

अन्नामलाई ने अपने एक हालिया साक्षात्कार में कहा कि वह भाजपा को तमिलनाडु में किसी भी राजनीतिक दल के बाद दूसरे नंबर की भूमिका नहीं निभाने देंगे, जहां उनकी पार्टी के लिए अन्नाद्रमुक के अलगाव से पैदा हुए शून्य को भरने की काफी गुंजाइश है। अब, यदि आप देखें तो जब तक जयललिता जी जीवित थीं, वह तमिलनाडु में किसी भी अन्य की तुलना में कहीं बेहतर हिंदुत्ववादी नेता थीं। 2014 से पहले जब आपके पास भाजपा जैसी पार्टी थी और जयललिता एक नेता के रूप में थीं, तो स्वाभाविक था अन्नामलाई ने कहा कि हिंदू मतदाता की पसंद जयललिता होंगी, जिन्होंने अपनी हिंदू पहचान खुलेआम प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के अलावा जयललिता देश की पहली राजनेता थीं, जिन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के मुद्दे का समर्थन किया और 2002-03 में तमिलनाडु में धर्मांतरण विरोधी कानून बनाया।

अज्ञानता और गलत फहमी के शिकार हैं बीजेपी नेता : शशिकला

अन्नामलाई के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि अन्नामलाई की ये टिप्पणियां जयललिता के बारे में उनकी अज्ञानता और गलतफहमी को दर्शाती हैं। शशिकला ने कहा कि कोई भी जयललिता जैसी जननेता को किसी भी तरह के संकीर्ण दायरे में सीमित नहीं कर सकता।

अच्छे दिन आने वाले हैं, मोदी जी जाने वाले हैं : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पटियाला लोकसभा सीट से आप उम्मीदवार बलबीर सिंह के समर्थन में रोड शो किया। अरविंद केजरीवाल ने इस दौरान लोगों से कहा कि अच्छे दिन आने वाले हैं, मोदी जी जाने वाले हैं। पूरा देश महँगाई और बेरोज़गारी से परेशान है। जनता मोदी जी को हटाने का मन बना चुकी है। इस बार का ये चुनाव देश के लोकतंत्र को बचाने का एक मौक़ा है।

जनता इस बार बीजेपी की तानाशाही को कड़ा जवाब देगी। अरविंद केजरीवाल ने इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के घर भी गए। जिसकी जानकारी उन्होंने एक्स के माध्यम से खुद दी। केजरीवाल ने पोस्ट करते हुए लिखा कि अभी कुछ दिन पहले मान साहब के घर नन्ही बिटिया ने जन्म लिया था। संगरूर में प्रचार के बाद उनके घर जाकर बिटिया को आशीर्वाद दिया। बिटिया पर वाहेगुरू जी की कृपा हमेशा बनी रहे, मान साहब का परिवार इसी तरह हमेशा ख़ुश और स्वस्थ रहे।

‘बीजेपी सीएम अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की साजिश रच रही’

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने बीजेपी पर आरोप बड़ा लगाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि ईडी सीएम केजरीवाल के इलाज कराने का विरोध क्यों रह रही है। ये ईडी का विरोध नहीं है, बीजेपी की साजिश है।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली के सीएम को कैंसर, किडनी र हार्ट की जांच करानी

है। आतिशी की ये प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब सीएम केजरीवाल ने रेगुलर बेल के लिए, निचली अदालत का रुख किया है। इससे पहले सीएम केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था. लेकिन सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने सीएम की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। वहीं दिल्लीवासियों पर इस समय दोहरी मार पड़ रही है। भीषण गर्मी से तपती दिल्ली में पेयजल संकट भी परेशान कर रहा है। पानी की कमी को लेकर दिल्ली सरकार ने आपातकालीन बैठक बुलाई।

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने वजीराबाद जल उपचार संयंत्र का निरीक्षण किया। वहीं, दिल्ली में जल संकट को लेकर महिला भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री आतिशी के आवास के बाहर अरविंद केजरीवाल सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान से बातचीत का रास्ता ही सही : फारूक अब्दुल्ला

» बोले- इंडिया गठबंधन के अच्छे परिणाम आए तो कोशिश करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पाकिस्तान से बातचीत शुरू करने को लेकर जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला का बयान सामने आया है। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान में उनके साथ बातचीत के लिए अनुकूल माहौल है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जब मैं (भारत और पाकिस्तान के बीच) बातचीत के बारे में बात करता हूं, तो वे मुझे पाकिस्तानी कहते हैं लेकिन मैं अपनी आवाज बंद नहीं करूंगा। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस चुनाव का परिणाम

अच्छे आए और अच्छे आएंगे तो हम भी कोशिश करेंगे उनसे बातचीत करने के लिए कि बातचीत का रास्ता ही सही है। अच्छे परिणाम का मतलब दिल्ली में नई सरकार आए और वर्तमान सरकार को वहां से बाहर करें। बता दें कि फारूक अब्दुल्ला के एक बयान से खूब बवाल हुआ था जब उन्होंने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं जिनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया जा सकता है। वरिष्ठ एनसी नेता पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत में विलय करने के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

सियासी केंद्र में आया ओडिशा का चुनावी समर

बीजद का आरोप बीजेपी सत्ता पाने लिए कर रही गिरी हरकत

पीएम मोदी व सीएम पटनायक में जुबानी जंग तेज रही

» जगन्नाथ मंदिर, बाहरी व्यक्ति से लेकर सीएम के सेहत तक बनाए गए मुद्दे

» राज्य में मोदी ने कईयों के सामने सिर झुकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्वी भारत को दक्षिण भारत से जोड़ने वाला राज्य ओडिशा आजकल सुखियों मे बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की तबियत खराब होने पर उनके स्वास्थ्य के साथ हुए साजिश की बात कह कर राज्य की सियासत को गरमा दिया है हालांकि उनके बयान के तुरंत बाद सीएम नवीन पटनायक ने पीएम पर प्रचार में उनकी सेहत का इस्तेमाल करने पर नाराजगी जताई । इससे पहले ओडिशा में भाजपा नेता संबित पात्रा द्वारा भगवान जगन्नाथ को मोदी का भक्त बताने पर पूरा संग्राम हो गया था।

बाद में पात्रा ने पश्चाताप करने की बात कह इस मामले को शांत किया हालांकि तब तक राजनीतिक गलियारें में पात्रा की फिसली जुबान ने तहलका मचाकर बीजू जनता दल (बीजद) को भाजपा को घेरने का मौका दे दिया था। चुनावों के दौरान बार-बार इस मुद्दे को उठाकर बीजद ने जनता के बीच बीजेपी के खिलाफ माहौल बनाने की भरसक कोशिश की अब राज्य की लोकसभा व विधानसभा के चुनावों के परिणाम ही बताएंगे कि इसका कितना असर हुआ। ओडिशा में एक मुद्दा ओडिशा का या बाहरी का भी छाया रहा है। जिसमें बीजेपी ने नवीन पटनायक द्वारा पूर्व आईएएस अफसर पांडियान को अपना उत्तराधिकारी बनाए जाने की घोषणा की गई। इसको लेकर पीएम ने कहा था कि राज्य की बागडोर किसी ओडिशा वाले को ही सौंपा जाएगा। इसकेअलावा जगन्नाथा मंदिर के खाजाने की चाबी को खोने को लेकर भी बवाल मचा जिसमें तमिलनाडु तक आवाज गई और वहां डीएमके के नेता स्टालिन ने पीएम मोदी को तमिल संस्कृति का अपमान करने का अरोप लगा दिया। अब चूकि 1 जून को आखिरी चरण के मतदान होने है। अब 4 जून को पता ही चल जाएगा ओड़िशा की सत्ता का ऊंट किस करवट बैठता हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमला महाराणा को सम्मानित किया। जिनका उल्लेख 26 फरवरी को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के 98वें संस्करण में उनके कचरे से संपत्ति बनाने की पहल के लिए किया गया था। केंद्रपाड़ा में अपनी रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भावुक होते हुए कमला महाराणा के सामने सिर झुकाया। महाराणा अब काफी खुश हैं क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को रक्षाबंधन के अवसर पर उनके द्वारा बनाई गई राखी पहन सकते हैं। केंद्रपाड़ा शहर के गुलनगर इलाके में रहने वाली कमला महाराणा, जिन्हें कमला मौसी के नाम से जाना जाता है, एक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) चलाती हैं। उनका स्वयं सहायता समूह बेकार दूध की थैलियों और अन्य प्लास्टिक सामग्री से घरेलू सामान बनाता है। प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात कार्यक्रम में कमला मौसी के काम को उजागर करते हुए कहा था कि उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को एक नया आयाम दिया है। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने उन्हें अपनी बहन कहा था।

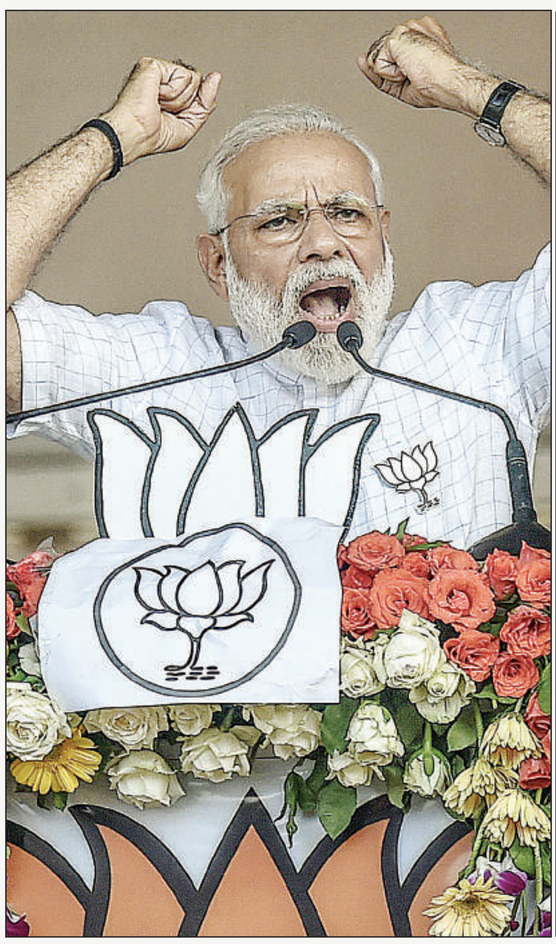

मेरी सेहत पर राजनीति न करें मोदी : पटनायक

प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान अगर ओडिशा में भाजपा सत्ता में आती है तो नवीन बाबू के बिगड़ते स्वास्थ्य की जांच के लिए एक विशेष समिति बनाई जाएगी। पर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी को मेरे स्वास्थ्य की इतनी चिंता है तो उन्हें कल रैली में जोर-जोर से इस बारे में बात करने के बजाय फोन पर मेरे स्वास्थ्य के बारे में पूछना चाहिए था। इसका मतलब है कि वे चुनाव के समय सिर्फ वोट बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। यह अफवाह पिछले 10 सालों से दिल्ली में बैठे लोगों द्वारा फैलाई जा रही है...मेरा स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक है। यह पूछे जाने पर कि %क्या नवीन पटनायक के पास बीजेपी द्वारा चुनावों में किए जा रहे वादों पर वीटो पावर है, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में मेरे पास सभी शक्तियां हैं और हमने राज्य के लोगों के लिए बहुत कुछ किया है। हम और भी बहुत कुछ करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं हमेशा कैबिनेट मीटिंग की अध्यक्षता करता हूं। ऐसी एक भी कैबिनेट मीटिंग नहीं है जिसकी अध्यक्षता मैंने नहीं की हो। विपक्ष और पूर्व बीजेडी नेताओं द्वारा लगाए गए आरोपों %वी.के. पांडियन मुख्यमंत्री पटनायक की ओर से निर्णय लेते हैं। पर ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि यह हास्यास्पद है। मैंने प ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भाजपा द्वारा उनके स्वास्थ्य के बारे में उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि मुझे कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है, मेरा स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। मैं पिछले एक महीने से भीषण गर्मी में चुनाव प्रचार कर रहा हूं और मैं ठीक हूं। नवीन पटनायक ने उनके हाथ कांपते हुए वायरल वीडियो पर कहा, यह कोई मेडिकल कंडीशन नहीं है। भाजपा के मुख्यमंत्री द्वारा इसे बिना किसी कारण के इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है।

एक-एक सीट पर बीजद की पैनी नजर

ओडिशा में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा की 147 सीटों पर चुनाव चल रहे हैं। चुनाव से पहले केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और राज्य में करीब 24 सालों से शासन कर रहे पटनायक की बीजू जनता दल में आपसी तालमेल और गठबंधन का प्रयास हुआ। लेकिन जब सीट बंटवारे को लेकर बात नहीं बन पाई तो भाजपा और बीजेडी ने राज्य की सभी 147 सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारे हैं। लेकिन क्या जमीनी स्तर पर भाजपा वाकई में बीजेडी के उम्मीदवारों के सामने चुनौती पेश कर पा रही है। बता दें कि राज्य की 42 सीटों पर 01 जून 2024 को मतदान होना है। इसी क्रम में राज्य की धामनगर विधानसभा सीट पर भी मतदान होना है। साल 2019 के चुनाव में इस सीट से भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की थी। लेकिन धामनगर सीट से भाजपा विधायक बिष्णु चरण सेठी के निधन के कारण रिक्त हुई थी। जिसके बाद 2022 में इस सीट पर उपचुनाव हुए थे। इस दौरान भाजपा ने सेठी के पुत्र सूर्यवंशी सूरज को चुनावी मैदान में उतारा था। सूर्यवंशी सूरज ने बीजेडी प्रत्याशी अंबाती दास को शिकस्त दी थी। तो वहीं कांग्रेस प्रत्याशी बाबा हरेकृष्णा सेठी को सिर्फ 3,561 मत मिले थे। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने धामनगर उपचुनाव को लेकर इमोशनल कार्ड खेला था। पार्टी ने इस सीट से विधायक रहे विष्णु चरण सेठी के बेटे सूर्यबंशी सूरज को चुनावी मैदान में खड़ा किया था। साल 2019 से पहले धामनगर विधानसभा सीट पर बीजू जनता दल का कब्जा रहा है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव 2024 में एक बार फिर इस सीट से सूर्यबंशी सूरज को चुनावी मैदान में उतारा है और बीजेडी ने संजय कुमार दास पर भरोसा जताया है। तो वहीं कांग्रेस पार्टी ने रंजन कुमार बेहरा पर दांव लगाया है। ऐसे में इस बार साल 2024 के चुनाव में बीजेडी जहां एक बार फिर इस सीट को वापस पाने की कोशिश करेगी, तो वहीं भाजपा के सामने इस सीट को बचाए रखने की चुनौती होगी।

चुनाव आयोग के आईपीएस को हटाने पर रार, बीजद ने बीजेपी को घेरा

भारत के चुनाव आयोग ने ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव के रूप में कार्यरत वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डी एस कुटे कोचुनावों के संचालन में अनुचित हस्तक्षेप के लिए निलंबित कर दिया। पोल पैनल ने यह भी कहा कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आशीष कुमार सिंह, 4 मई से मेडिकल अवकाश पर हैं। उन्हें एम्स भुवनेश्वर के निदेशक द्वारा गठित एक विशेष मेडिकल बोर्ड द्वारा विस्तृत जांच के लिए उपस्थित होना होगा। बोर्ड को अधिकारी की बीमारी और इलाज का पता लगाने का काम सौंपा गया है। सिंह पहले आईजी (सेंट्रल रेंज) के पद पर तैनात थे, को चुनाव आयोग ने अप्रैल में स्थानांतरित कर दिया था। ईसी ने कहा कि विशेष सचिव द्वारा अनुचित प्रभाव का संकेत देते हुए कुछ बातें कही हैं।

भाजपा ने भगवान जगन्नाथ का अपमान किया : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ओडिशा के लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया क्योंकि उसके एक नेता ने हाल ही में दावा किया था कि भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भक्त हैं।भद्रक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सिमुलिया में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने भारत के संविधान और देश में लोकतंत्र को बचाने की शपथ भी ली।गांधी ने कहा, भाजपा ने ओडिशा के हर व्यक्ति का अपमान किया है क्योंकि उसके एक नेता ने दावा किया है कि

भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री मोदी के भक्त हैं। पुरी से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार संबित पात्रा ने हाल ही में यह टिप्पणी की थी। पात्रा भगवान जगन्नाथ पर अपनी जुबान फिसलने के कारण विवाद में घिर गए थे। इसके बाद उन्होंने माफी मांगी और घोषणा की कि वह तीन दिनों तक उपवास रखकर प्रायश्चित करेंगे।कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगी देश के लोकतंत्र और संविधान को नष्ट करने के लिए एकजुट हुए हैं। गांधी ने कहा, दुनिया की कोई भी ताकत हमारे संविधान को नष्ट नहीं कर सकती। आप (भाजपा) अपनी पूरी ताकत लगाकर भी संविधान को छू नहीं सकते।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ईश्वर को किसी की सुरक्षा की आवश्यकता नहीं!

> दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट ने यमुना नदी तल पर अनधिकृत तरीके से निर्मित एक मंदिर को हटाने से संबंधित याचिका में देवता को पक्षकार बनाने से इनकार करते हुए कहा कि भगवान शिव को किसी की सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने अवैध शिव मंदिर को गिराने की अनुमति दी।

अदालत ने एक आदेश में एक मंदिर को तोड़ने का आदेश दिया। ऐसे कई आदेश दिए जा चुके हैं। पर इस आदेश के बाद जो टिप्पणी की गई है वह गौर करने वाली है। इस टिप्पणी उन लोगों को भी तमाचा लगने जैसा है जो अपने को भगवान या भगवान के बराबर समझने लगते हैं। कोर्ट यह टिप्पणी उन लोगों की आंखे भी खोलने वाली है जो भगवान पर राजनीति करते हैं। उन लोगों को समझना चाहिए ईश्वर सर्वव्यापी है और वह सबसे ऊपर है। दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट ने यमुना नदी तल पर अनधिकृत तरीके से निर्मित एक मंदिर को हटाने से संबंधित याचिका में देवता को पक्षकार बनाने से इनकार करते हुए कहा कि भगवान शिव को किसी की सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने अवैध शिव मंदिर को गिराने की अनुमति दी। अदालत ने कहा कि अगर यमुना नदी के तल और बाढ़ के मैदानों को सभी अतिक्रमणों और अनधिकृत निर्माण से मुक्त कर दिया जाए तो भगवान शिव अधिक प्रसन्न होंगे।

अदालत ने बाढ़ क्षेत्र के करीब गीता कॉलोनी में स्थित प्राचीन शिव मंदिर को ध्वस्त करने के आदेश को रद्द करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायाधीश धर्मेश शर्मा ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील की आधी-अधूरी दलील कि भगवान शिव, मंदिर के देवता होने के नाते, वर्तमान मामले में भी निहित होने चाहिए, निहित स्वार्थ को पूरा करने के लिए पूरे विवाद को एक पूरी तरह से अलग रंग देने का एक हताश प्रयास है। उच्च न्यायालय ने आगे कहा कि यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि भगवान शिव को हमारी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है; बल्कि, हम, लोग, उनकी सुरक्षा और आशीर्वाद चाहते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि यमुना नदी के तल और बाढ़ के मैदानी इलाकों को सभी अतिक्रमणों और अनधिकृत निर्माण से मुक्त कर दिया जाए तो भगवान शिव अधिक प्रसन्न होंगे। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि मंदिर आध्यात्मिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जहां नियमित रूप से लगभग 300 से 400 भक्त आते हैं। याचिका में दावा किया गया कि याचिकाकर्ता सोसायटी को मंदिर की संपत्ति की पारदर्शिता, जवाबदेही और जिम्मेदार प्रबंधन को बनाए रखने के उद्देश्य से 2018 में पंजीकृत किया गया था। अदालत ने कहा कि विवादित भूमि व्यापक सार्वजनिक हित के लिए है और याचिकाकर्ता समाज इस पर कब्जा जारी रखने और उपयोग करने के लिए किसी निहित अधिकार का दावा नहीं कर सकता है। ऐसा देखने में आया है कि भारत में बहुत सी जगहो पर धार्मिक स्थलों के नाम पर कब्जा कर लिया जाता है। ये अवैध कब्जे ताल, तालाबों व हरित भूमि पर किए जाते हैं जो प्रकृति को नुकसान पहुचाते हैं। धर्म स्थल बनाए पर प्रकृति न बदलें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खेतों से उजड़ते पेड़ मानवीय अस्तित्व को खतरा

पंकज चतुर्वेदी

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो अतिरिक्त आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'नेचर सस्टैनबिलिटी' में 15 मई, 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत-संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द-गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित कररिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फिलिप सियाइस, जियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज-गोंजालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलना मुश्किल है।

इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है। जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं। इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं।

जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़ गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान

हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं। यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजाड़ा क्यों? किसान भलीभांति जानता है कि खेत की मेड़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है पानी संचयन, पत्तों और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का अहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं का छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल-फूल से अतिरिक्त आय तो है ही। इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम व नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता है। एक बात समझना होगा कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे कम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है। ऐसा ही छोटे, अर्ध मध्यम और मझोले किसान के साथ हुआ।

कम जोत का सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। अब वह जमीन के छोटे से टुकड़े पर अधिक कमाई चाहता है तो उसने पहले खेत की चौड़ी मेड़ को ही तोड़ डाला। इसके चलते वहां लगे पेड़ कटे। उसे लगा कि पेड़ के कारण हल चलाने लायक भूमि और सिकुड़ रही है तो उसने पेड़ पर कुल्हाड़ी चला दी। इस लकड़ी से उसे तात्कालिक कुछ पैसा भी मिल गया। इस तरह घटती जोत का सीधा असर खेत में खड़े पेड़ों पर पड़ा। सरकार खेतों में पेड़ लगाने की योजना, सब्सिडी के पोस्टर छापती रही और किसान अपने कम होते रकबे को थोड़ा-सा बढ़ाने की फिराक में धरती के श्रृंगार पेड़ों को उजाड़ता रहा।

लोकतंत्र के महापर्व पर पश्चिम की उदासीनता

पुष्परंजन

कुल 195 देश हैं दुनियाभर में। इनमें से दो देश मान्यता का इंतजार कर रहे हैं: होली सी, और फिलस्तीन। केवल 23 देशों के पर्यवेक्षकों का दुनिया से सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनाव देखने आना सचमुच चिंता का विषय है। भारतीय निर्वाचन आयोग के अधिकारी बताते हैं, 'जर्मनी, अमेरिका तक ने आने से मना कर दिया।' तो आये कौन-कौन से देश? भूटान, मंगोलिया, मेडागास्कर, ऑस्ट्रेलिया, फिजी, क्रिगिज रिपब्लिक, रूस, माल्दोवा, ट्यूनीशिया, सिसली, कम्बोडिया, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश, कजाकस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज़्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यूगिनी और नामीबिया। कुल जमा 23 देशों के 75 विजिटर्स।

चुनाव आयोग के ज्वाइंट डायरेक्टर अनुज चंडक ने यह जानकारी साझा करते हुए बाद में जोड़ा था कि 'मेंबर्स ऑफ इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर एलेक्ट्रोरल सिस्टम' के प्रतिनिधि और शायद इस्राइल और भूटान की मीडिया टीमें भी आएं। कुल 23 देशों के 75 प्रतिनिधियों को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित कर महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात भेजा गया है। 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेश वाले इस विराट देश में केवल छह राज्यों में विदेशी पर्यवेक्षक चुनाव का मुआयना करते हैं, तो सवाल करना बनता है। पिछले महीने ही अमेरिकी विदेश विभाग ने स्पष्ट कर दिया था कि हमारा देश भारत में कोई चुनाव पर्यवेक्षक नहीं भेज रहा है, लेकिन सत्ता में भागीदारों के साथ अपने सहयोग को गहरा और मजबूत करने के लिए उत्सुक है। जर्मनी ने भी अमेरिकी शैली में ही अपनी दूरी बना ली। भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमन्न ने 16 अप्रैल को बयान दिया था कि जर्मनी आने वाले दिनों में भारत में शुरू होने वाले दुनिया के सबसे बड़े चुनावों को 'प्रशंसनीय दृष्टि के साथ' देख रहा है। जर्मन दूत ने कहा कि जब देश अपनी अगली सरकार के लिए मतदान करेगा तो दुनियाभर में भारत की छवि अधिक देखी जाएगी। यह लोकतंत्र का उत्सव है, हम इसे यूरोपीय नुक्ते-नज़र से ही देखेंगे। अर्थात, 'जैसा मतदान-वैसा अनुमान' वाली कूटनीति को आगे बढ़ाना जर्मनी ने पसंद किया। लेकिन, जर्मनी की राह पर शायद फ्रांस न चले।

दिलचस्प है कि भारतीय चुनाव का अवलोकन करने के वास्ते न तो 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ का कोई प्रतिनिधि आया, न ही 57 सदस्यीय आर्गेनाइजेशन ऑफ द इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) ने किसी को भेजना उचित समझा। जी-20 से भी किसी पर्यवेक्षक की मौजूदगी भारत में हो रहे आम चुनाव में नहीं दिखी। भारत के अंदरूनी मामलों में गहरी नजर और दिलचस्पी सारे विकसित व विकासशील देशों की है। नहीं होती, तो संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ऐसा नहीं कहते, 'हमें बहुत उम्मीद है कि भारतीय मतदान प्रक्रिया में सभी के राजनीतिक और नागरिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे। इस देश में हर कोई स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में सक्षम है।' स्टीफन दुजारिक केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों को जब्त करने के मद्देनजर भारत में 'राजनीतिक अशांति' पर एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कह रहे थे। अपने प्रवक्ता से इतनी टिप्पणी करवाने के बावजूद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने किसी प्रतिनिधि को भारतीय चुनाव देखने के वास्ते क्यों नहीं भेजा? यह जानना जरूरी तो है।

अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जिस तरह प्रतिक्रिया अमेरिका और जर्मनी ने दी थी, उससे एक बारी तो लगा था कि कूटनीतिक सम्बन्ध पटरी से उतर जायेंगे। दोनों देशों के दूतों को बुलाकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ा प्रतिरोध व्यक्त किया था। बावजूद इसके, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था, 'हम दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेंगे। हम कांग्रेस पार्टी के आरोपों से भी अवगत हैं कि टैक्स अफसरों ने उनके कुछ बैंक खातों को इस तरह से फ्रीज कर दिया है कि उनके लिए चुनावों में प्रभावी ढंग से प्रचार करना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। और हम इनमें से प्रत्येक मुद्दे के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और समय पर कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं।' अब सवाल यह है कि परिणाम के बाद क्या दुनिया के तमाम विकसित देश इसे मानने को तैयार होंगे कि भारत में चुनाव निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के संपन्न हुआ है? ठीक से देखा जाये तो जिन 23 देशों के प्रतिनिधि भारत आये, उनमें रूस और सेंट्रल एशिया के देश वही बोलेंगे जो मास्को का दृष्टिकोण होगा।

मालदीव के पर्यवेक्षक क्या बोलते हैं, वह मुस्लिम देशों के लिए महत्वपूर्ण होगा। मालदीव इस समय 'अनगाइडेड मिसाइल' है। लेकिन इस पूरी कहानी में बीजेपी कार्यालय से पर्यवेक्षक के वास्ते न्योता भेजा जाना रोचक है। दरअसल, यह काम तो चुनाव आयोग का था। बीजेपी ने 25 से अधिक देशों की पॉलिटिकल पार्टियों को निमंत्रण भेजा था। लेकिन अमेरिका से न तो डेमोक्रेट, और न ही रिपब्लिकंस ने इस न्योते को स्वीकार किया। भाजपा के सूत्रों ने बताया कि 25 देशों की 13 पार्टियों ने कन्फर्म किया था कि हम भारत दौरे पर आ रहे हैं। तो क्या ऐसी ही छूट कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सहयोगियों को भारत सरकार ने दी थी? बात जब विदेशी निगाहों की हो, तो पाकिस्तान भी जेरे बहस में आ ही जाता है। सबको पता है कि पीएम मोदी और सत्तापक्ष के दूसरे नेता किस वोट बैंक को पोलराइज करने के वास्ते पाकिस्तान को विपक्ष से चिपकाते हैं।

सामग्री घर पर स्प्रिंग रोल शीट बनाने के लिए 1 कप मैदा, 1/4 कप कॉर्न फ्लोर, 2 बड़े चम्मच रिफाइंड तेल, चौथाई चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच तेल।

घर पर ऐसे बनाएं बाजार जैसी स्प्रिंग रोल शीट

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे स्नैक्स खाना पसंद न हो। खासतौर पर बात करें भारतीय लोगों की तो हम भारतीय तो सुबह और शाम, दोनों समय अलग-अलग वैरायटी का नाश्ता करना पसंद करते हैं। सुबह के लिए तो ज्यादातर लोग ऐसी चीज खाते हैं जो हेल्दी के साथ ऐसी भी हो, जिससे पेट भरा रहे लेकिन शाम को हर किसी का मन चटाकेदार खाना खाने को करता है। ऐसे में वो अक्सर बाहर से खरीदकर चटाकेदार स्नैक्स खाते हैं। लेकिन रोज-रोज बाहर का खाना खा के तबियत खराब होने का भी डर होता है। इसी वजह से महिलाएं अपने परिवार वालों के लिए घर पर ही स्नैक्स तैयार करती हैं। अगर आप भी कुछ स्वादिष्ट सा नाश्ता घर पर बनाने का सोच रही हैं तो स्प्रिंग रोल एक बेहतर विकल्प है। इसकी शीट भी अगर आप घर पर ही बनाएंगी, तो इसका स्वाद और बढ़ जाएगा।

विधि

अगर आप स्प्रिंग रोल की शीट घर पर तैयार करना चाहती हैं तो सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, कॉर्नफ्लोर और नमक को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा रिफाइंड डालकर इसे सही से मिलाएं। अब जरूरत के हिसाब से इसमें पानी डालें और फिर मैदा धीरे-धीरे गूंथ लें। अब इस गूंथी हुई मैदा से छोटी-छोटी लोई बनाकर उसे बेल लें। ध्यान रखें कि ये आपको कागज की जितनी पतली बेलनी है। आप चाहें को एक साथ कई शीट बेल सकती हैं। इसके बाद इसे हल्का सेकना शुरू करें। हल्का-हल्का सेकने के बाद इसे रख लें। अब आप इससे स्प्रिंग रोल तैयार कर सकती हैं। स्प्रिंग रोल शीट बनाने का ये सबसे आसान तरीका है।

गुड़ का बनाएं कुरकुरा पराठा

खाके याद आ जाएगा दादी-नानी के हाथ का स्वाद

कई सब्जियों को देखकर बच्चे नाक-मुंह सिकोड़ने लगते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए बड़ा सिरदर्द बन जाता है कि उन्हें क्या खिलाएं। तो आप घर पर मसाला गुड़ के पराठे बना सकते हैं। मसाला गुड़ पराठा एक हेल्दी और स्वादिष्ट विंटर डिश है जो आपको बहुत पसंद आएगी। यह आपकी इम्यूनिटी को भी बूस्ट करता है और आपकी गट हेल्थ को स्वस्थ रखेगा। अगर आप चाहें तो इस पराठे में नट्स मिलाकर इसे और भी पौष्टिक बनाया जा सकता है। ये टेस्टी और हेल्दी गुड़ का पराठा, दादी-नानी के हाथ का स्वाद याद दिला देता है।

सामग्री आटा - 2 कप, गुड़ - 100 ग्राम, अजवाइन - आधा छोटा चम्मच, सौंफ - आधा छोटा चम्मच, ड्राई फ्रूट्स - ऑप्शनल, घी/तेल - 2 चम्मच।

विधि

मसाला गुड़ पराठा बनाने के लिए पहले एक अच्छा सॉफ्ट आटा गूंथ लें। सबसे पहले एक परात में आटा छानकर डालें और उसमें अजवाइन डालकर अच्छे से मिला लें। इसमें चूंकि गुड़ भी जाएगा तो गुड़ को पहला थोड़ा सा पिघला लें। अब आटे में पिघला हुआ गुड़, अदरक पाउडर, सौंफ (सौंफ पाउडर कैसे बनाएं) और बाकी सामग्री डालकर मिक्स करें। अब धीरे-धीरे पानी डालकर एक अच्छा आटा गूंथकर इसे 15 मिनट के लिए सेट करके रखें। एक तवे को गर्म करने रखें और उसमें घी को ग्रीस करें। आटे की लोइयां बनाकर उसे अपने हिसाब से बेल लें। तवा गर्म हो जाए तो पराठा डालकर उसे अच्छी तरह से दोनों ओर से सेक लें। इसे प्लेट में निकालें और ऊपर घी डालकर इसे कड़क अदरक वाली चाय के साथ सर्व करें। यह आपके बच्चों की जर्दी जुकाम की समस्या को दूर कर इम्यूनिटी को भी बूस्ट करेगा।

हंसना मना है

पत्नी पति से- हम कहां जा रहे हैं? पति- लॉन्ग ड्राइव पर.. पत्नी- तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? पति- मुझे भी अभी-अभी पता चला है, जब गाड़ी के ब्रेक फेल हो गए!

सेल्समैन- सर कॉकरोच के लिए पाउडर लेंगे क्या? पप्पू- नहीं हम कॉकरोच को इतना लाड़-प्यार नहीं करते..! आज पाउडर लगा देंगे तो कल हो सकता है परफ्यूम मांगे...!!! सेल्समैन बेहोश...

टीचर ने पूछा- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए..? छात्र- क्योंकि पता नहीं परीक्षा में किसके पीछे बैठना पड़ जाए। टीचर बेहोश।

कंजूस महिला दुकानदार से- ऐसा साबुन दो जो कम घिसे और नहाने के बाद चेहरे पे लाली लाए... दुकानदार नौकर से- मैडम को एक ईंट का टुकड़ा दे दो...!

कहानी: दानवीर कर्ण

महाभारत की कथा में कई महान चरित्रों का जिक्र है। उन्हीं में से एक थे दानवीर कर्ण। श्रीकृष्ण हमेशा कर्ण की दानवीरता की प्रशंसा करते थे। वहीं, अर्जुन और युधिष्ठिर भी दान-पुण्य करते रहते थे, लेकिन श्रीकृष्ण कभी उनकी प्रशंसा नहीं करते थे। एक दिन अर्जुन ने श्रीकृष्ण से इसका कारण पूछा। श्रीकृष्ण बोले, समय आने पर वह यह साबित कर देंगे कि सबसे बड़ा दानवीर सूर्यपुत्र कर्ण है। कुछ दिनों के बाद एक ब्राह्मण अर्जुन के महल में आया। उसने बताया कि पत्नी की मृत्यु हो गई है। उसके दाह संस्कार के लिए उन्हें चन्दन की लकड़ियों की जरूरत है। ब्राह्मण ने अर्जुन से चंदन की लकड़ी दान में मांगी। अर्जुन ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि राजकोष से चन्दन की लकड़ियों का इंतजाम किया जाए, लेकिन उस दिन न तो राजकोष में चंदन की लकड़ियां मिली और न ही पूरे राज्य में। अर्जुन ने ब्राह्मण से कहा, आप मुझे क्षमा करें, मैं आपके लिए चंदन की लकड़ी का इंतजाम नहीं कर सका। श्रीकृष्ण इस पूरी घटना को देख रहे थे। उन्होंने ब्राह्मण से कहा, आपको एक जगह चंदन की लकड़ियां जरूर मिलेगी, आप मेरे साथ चलिए। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भी अपने साथ ले लिया। श्रीकृष्ण और अर्जुन ने ब्राह्मण का वेश बनाया और उस ब्राह्मण के साथ कर्ण के दरबार में पहुंचे। वहां भी ब्राह्मण ने कर्ण से चंदन की लकड़ी दान में मांगी। कर्ण ने अपनी मंत्री से चंदन की लकड़ी का इंतजाम करने को कहा। थोड़े समय बाद कर्ण के मंत्री ने कहा कि पूरे राज्य में कहीं चंदन की लकड़ी नहीं मिली। इस पर कर्ण ने अपने मंत्री को आदेश दिया कि उसके महल में चंदन के खंभे हैं, उन्हें तोड़कर ब्राह्मण को दान दिया जाए। मंत्री ने ऐसा ही किया। ब्राह्मण चंदन की लकड़ी लेकर अपनी पत्नी के दाह संस्कार के लिए चला गया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा, देखो तुम्हारे महल के खंभों में भी चन्दन की लकड़ी लगी है, लेकिन तुमने ब्राह्मण को निराश किया। वहीं, कर्ण ने एक बार फिर अपनी दानवीरता का परिचय दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है।

वृषभ: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन: कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

सिंह: किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या: धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा।

तुला: धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक: किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु: कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर: प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ: दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिरोज ने किसी को पता नहीं चलने दिया कि उन्हें कैंसर हैं: अनीस

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता फिरोज खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी दरियादिली के लिए मशहूर थे। उन्होंने बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान निर्देशक अनीस बज्मी फिरोज खान को याद करते दिखे। फिरोज खान उनकी फिल्म वेलकम में एक अहम भूमिका निभाते नजर आए थे। अनीस बज्मी फिरोज खान को याद करते हुए कहते हैं, मैं जब वेलकम बना रहा था तब मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि उदय शेट्टी और मजनू शेट्टी का अगर कोई बॉस हो सकता है तो वे केवल फिरोज खान हो सकते हैं। मैंने जब फिरोज साहब को इस फिल्म के लिए बताया तब वे अपने किरदार को सुनकर उत्साहित नहीं हुए थे। बाद में मैंने उन्हें किसी तरह राजी कर लिया था। अनीस बज्मी अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, जब भी फिरोज साहब सेट पर आते थे उनमें एक अलग उत्साह देखने को मिलता था। हम में से किसी को भी उन्होंने पता नहीं चलने दिया कि वे कैंसर से लड़ रहे हैं। उन्होंने किसी को भी अपने तकलीफ और दर्द का अंदाजा नहीं लगने दिया। उनके साथ काम करके मुझे कितना कुछ सीखने को मिला। उन जैसे अभिनेता का होना आज के दौर में मुश्किल है। फिरोज खान का निधन साल 2009 में हुआ था। अनीस बज्मी कहते हैं, जब मैं नो एंट्री के उनके घर डिनर के लिए गया था तब मैंने उन्हें उनके कई डायलॉग सुनाए थे। वे सुनकर काफी खुश हुए और बोले अनीस तुम्हें ये सब याद है। मैंने उनसे कहा कि आपने इतना अच्छा काम किया है की डायलॉग याद रहना लाजमी है। वे इतने बड़े स्टार थे, लेकिन वेलकम में वे एक छोटी सी भूमिका के लिए तैयार हो गए थे। यह अपने आप में एक बड़ी बात है।

मैं अपनी आत्मा से अमीर होना चाहती हूं: जान्हवी

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री जान्हवी कपूर इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। वे अपनी आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के प्रमोशन में जी-जान से जुटी हुई हैं। इस फिल्म में अभिनेता राजकुमार राव के साथ नजर आने वाली हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने मिस्टर एंड मिसेज माही के अलावा अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बातें करती नजर आईं। जान्हवी कपूर बॉलीवुड की दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की लाडली बेटी हैं। अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए जान्हवी कहती हैं, मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि मुझे इतनी आरमदायक जिंदगी मिली है। मेरे माता-पिता ने मुझे हर लग्जरी देने की कोशिश की है, लेकिन अब मैं अपने अस्तित्व को खुद से तलाशना चाहती हूं। जान्हवी कपूर आगे कहती हैं, मैं अपनी आत्मा से अमीर होना चाहती हूं। मुझे खोखले अस्तित्व से परेशानी होती है। मुझे पूरी जिंदगी मॉम-डैड ने दुनिया की हर तकलीफ से बचा कर रखा, लेकिन अब मैं जिंदगी की सच्चाई को जानना और समझना चाहती हूं। अपनी लग्जरी लाइफ के बारे में बात करते हुए जान्हवी कहती हैं, मॉम हमेशा कहती थीं कि उन्होंने काफी मेहनत किया है और वे हर सुख-सुविधा हम दोनों बहनों को देना चाहती थीं। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन अब मैं जिंदगी को अनुभव करना चाहती हूं। मैं अपने अनुभवों से खुद को समृद्ध करना चाहती हूं। जान्हवी कपूर अपनी बातों को जारी रखते हुए कहती हैं, मैं अब ऐसी फिल्में करना चाहती हूं जो मेरे कंफर्ट जॉन से बाहर की हों। मैं चैलेंजिग किरदारों के लिए खुद को तैयार कर रही हूं। मुझे बहुत अजीब लगता है जब लोग अपनी जिंदगी को लेकर जिज्ञासा नहीं रखते हैं या वे कुछ नया नहीं सीखने कोशिश करते हैं।

हमारे बारह पर विवाद को लेकर अन्नू बोले- पहले फिल्म देख तो लो

टीजर के रिलीज होने के बाद से मूवी का किया जा रहा विरोध

एक्टर अन्नू कपूर स्टारर फिल्म हमारे बारह का टीजर कुछ दिन पहले ही रिलीज हुआ है। टीजर में महिलाओं को लेकर बात की गई है। फिल्म का एक किरदार औरतों की तुलना सलवार के नाड़े से करता नजर आ रहा है। वहीं वो कहता है कि औरतें मर्दों के लिए खेती समान हैं, जो जब चाहे खेती कर सकता है। टीजर में महिलाओं के दर्द को देखा गया था। वहीं किरदार की ऐसी बातों से दर्शक भड़क उठे। फिल्म के टीजर के रिलीज होने के बाद से मूवी का विरोध किया जा रहा है। इसपर अब एक्टर अन्नू कपूर ने अपना रिएक्शन दिया है। अन्नू कपूर ने कहा, मुझे पता नहीं कि कितनी फिल्मों को कॉन्ट्रवर्सी ने घेरा है, क्योंकि आप जानते हैं न मैं फिल्म देखता हूं, न मैं टीवी देखता हूं। फिर भी ये फिल्म विवादों के घेरे में आ गई है। नाम की वजह से। लेकिन फिल्म किसी ने देखी नहीं है और हमारे कलाकारों को मौत की धमकियां मिल रही हैं, गालियां मिल रही हैं, निंदाएं मिल रही हैं। फिल्म देखी है नहीं जजमेंट दे रहे हैं। एक्टर से पूछा गया कि क्या ये सच में कोई विवादित फिल्म है? इसे सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिला है? इसपर उन्होंने कहा, सेंसर बोर्ड से बिल्कुल फिल्म पास हुई है। वो एक कॉम्पिटेंट अथॉरिटी है उसने पास की है। जो आप के देश के प्रजातंत्र ने नियम कानून और गाइडलाइंस बनाई हैं उन्हीं को सेंसर बोर्ड फॉलो करती है। तो उसके बाद इस तरह का विरोध, प्रजातंत्र में विरोध है, लेकिन प्रजातंत्र में मौत की धमकियां और स्त्रियों को गाली-गलौच और ये कि बलात्कार कर देंगे, ये तो सही नहीं है। इसकी तो कड़ी सजा मिलनी चाहिए। लेडीज को ज्यादा धमकियां मिली हैं। किसी भी स्त्री को आप ये कहेंगे कि आपका रेप करेंगे तो ये अच्छी बात नहीं है। वो भी तब जब आपने फिल्म का सिर्फ टीजर देखा है। विरोध करने वालों को अन्नू कपूर ने कहा, भैया फिल्म देखिए। उसके बाद अपनी राय कायम कीजिएगा। खुद आका बनने की कोशिश मत करिए। ये फिल्म मदरहुड की बात करती है, ये फिल्म जनसंख्या की बात करती है। औरत किन जज्बात से गुजरती है और उसको किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है एक फैमिली के अंदर ये उसकी कहानी है। मैं ऐसा किरदार निभा रहा हूं जो अपने दीन-ओ-ईमान के ऊपर अटका हुआ है। वो उसके खिलाफ नहीं जाना चाहता है। जो लिखा हुआ उसको बदलना नहीं चाहता है। मुझे फिल्म का विलेन भी कहा जा सकता है। अन्नू कपूर ने आगे कहा, इस फिल्म के माध्यम से प्रोड्यूसर-डायरेक्टर एक बदलाव की मांग करते हैं।

अजब-गजब | नींद में शॉपिंग करती है ये महिला

हो गया 3 लाख रूपये का कर्ज

डॉक्टर बोले- ये दुर्लभ बीमारी

महिलाओं को शॉपिंग करने का शौक होता है, ये तो हम सब जानते हैं। लेकिन ब्रिटेन की एक महिला नींद में शॉपिंग करती है। इतनी शॉपिंग कर डाली कि 3 लाख रुपये का कर्ज हो गया। जब पता चला तो डॉक्टरों के पास भागी। डॉक्टर देखकर बोले, अरे ये तो दुर्लभ बीमारी है। समय पर इलाज नहीं किया गया, तो काफी नुकसानदेह हो सकता है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, एसेक्स की रहने वाली केली नाइप्स ने 2006 में अपने पहले बच्चे को जन्म दिया। तब उन्हें महसूस हुआ कि वे नींद में चलने लगी हैं। यहां तक तो ठीक था। लेकिन नींद में चलने की उनकी ये आदत जल्द ही एक दुर्लभ बीमारी में बदल गई। केली नींद में ही शॉपिंग करने लगीं। दिन की तरह रात में वे शॉपिंग ऐप स्क्रॉल करने लगीं। नतीजा एक दिन उन्होंने अनजाने में सोते-सोते 3000 पाउंड यानी लगभग 3 लाख रुपये की शॉपिंग कर डाली। केली ने महंगा बास्केटबॉल कोर्ट खरीदा और सैकड़ों पाउंड मूल्य की हरीबो मिठाइयों का ऑर्डर दे दिया। कलर के डिब्बे, किताबें, नमक और काली मिर्च रखने के बर्तन, एक वेंडी हाउस, फ्रिज और टेबल भी खरीद डाले। उन्हें पता तब चला जब 'इन-ग्राउंड बास्केटबॉल यूनिट' की डिलीवरी मिली। केली यह देखकर सदमे में आ गईं। उन्हें समझ ही नहीं आया कि आखिर इसका ऑर्डर उन्होंने कब दिया था। केली ने कहा, मैं खाने की कोई भी चीज वापस नहीं कर सकती थी। कलर के डिब्बे और वेंडी हाउस रख लिया, क्योंकि मेरे बच्चों ने उसे देख लिया था। वे बहुत दिनों से उसकी मांग कर रहे थे। बात यहीं खत्म नहीं हुई। मार्च में केली को एक स्पैम मैसेज मिला। जिसमें लिखा था कि मुझे बिलों के भुगतान के लिए सरकार 40000 रुपये देने वाली है। मुझे सिर्फ एक फार्म भरना होगा। केली उस वक्त सो रही थीं। और सोते-सोते उन्होंने फार्म भर दिया। यह जानकारी सरकार के पास जाने की बजाय के हाथों लग गई। उन्होंने साइबर क्रिमिनल्स को अपनी सारी एकाउंट डिटेल्स दे दी। फिर जब होश आया तो केली के बैंक खाते से 250 पाउंड निकाल लिए गए थे। केली बैंक से पैसे वापस पाने में कामयाब रही। इन्हीं डिटेल्स के आधार पर उसके खाते से अलग-अलग रकम निकालने के पांच बार प्रयास किए गए। केली को संदेह है कि उसकी जानकारी दूसरे साइबर क्रिमिनल्स को बेच दी गई है। क्योंकि कई लोगों ने मेरे बैंक खाते से पैसे निकालने की कोशिश की। उसने कहा, मुझे कई बार अपने कार्ड रद्द करने पड़े। वह जब भी सोने के लिए जाती हैं, तो यह सोचकर कांप उठती हैं कि आज रात क्या होने वाला है। क्योंकि वो फोन या लैपटॉप कहीं भी रख दें, जब शॉपिंग करनी होती है, तो वहां से उसे उठा लेती हैं और ऑर्डर कर देती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि यह पैरासोमनिया नामक बीमारी का असर है। इसमें इंसान सोते समय असामान्य हरकतें करने लगता है। उसे स्लीप एपनिया भी है, जो सोते समय उसके मस्तिष्क को आंशिक रूप से जगाने के लिए मजबूर करता है। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।

दुनिया का यह इकलौता देश जहां है सिर्फ एक जहरीला सांप

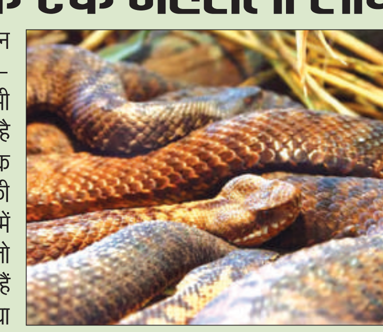

सांप ऐसा जीव है, जो अगर इंसान के सामने आ जाए, तो इंसान थर-थर कांपने लगता है। फिर वो ये भी नहीं देखता कि वो सांप जहरीला है भी या नहीं। नेशनल जियोग्राफिक के अनुसार दुनिया में सांपों की 3000 से ज्यादा प्रजातियां हैं। इनमें से 600 प्रजातियां ऐसी हैं जो जहरीली हैं, इनमें से 200 ऐसी हैं जो इंसानों की जान ले सकती हैं या फिर उन्हें गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। कुछ देश ऐसे हैं जहां एक भी सांप नहीं है। न्यूजीलैंड, आयरलैंड, ग्रीनलैंड, आइसलैंड, अंटार्कटिका जैसी जगहों पर एक भी सांप नहीं है। वहीं ऑस्ट्रेलिया-अफ्रीका जैसी जगहों पर जहरीले सांपों की भरमार है। पर दुनिया में एक ऐसा भी देश है, जहां सिर्फ 1 जहरीले सांप की प्रजाति है, बाकी सांप खतरनाक नहीं हैं। क्या आप नाम जानते हैं? इस देश का नाम है ब्रिटेन। रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में सांपों की 4 प्रजातियां रहती हैं। इनमें से 3 नेटिव हैं, जो यहीं के हैं, और 1 बाहर से लाया गया है। कॉमन यूरोपियन एडर, बार्ड ग्रास स्नेक, स्मूथ स्नेक्स, एसक्यूलेपियन स्नेक ब्रिटेन में पाए जाते हैं। कॉमन यूरोपियन एडर, या कॉमन यूरोपियन वाइपर, ब्रिटेन का एक मात्र ऐसा सांप है, जो जहरीला है। ये इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के इलाकों में पाए जाते हैं। ये जंगलों और दलदली इलाकों में पाए जाते हैं। ये सांप करीब 1 मीटर तक लंबे हो जाते हैं। उनके शरीर पर ज़िगज़ैग पैटर्न बनता है और सिर के ऊपर वी या एक्स का निशान बन जाता है। इनकी आंखों की पुतलियां, बिल्लियों जैसी होती हैं। इनके काटने से इंसान की मौत तो नहीं होगी, मगर जहर से कई दिनों तक सूजन, उल्टी हो सकती है, चक्कर भी आ सकता है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार 26 मई को 11 साल की एक बच्ची को एसेक्स के एक नेचर रिजर्व में एडर सांप ने काट लिया। 20 मिनट के अंदर उसे एंटी वेनम दे दिया गया, जिससे उसकी हालत गंभीर नहीं हो पाई। हालांकि, उसका शरीर सूजने लगा था। बार्ड ग्रास स्नेक को ब्रिटेन का सबसे बड़ा नेटिव स्नेक माना जाता है। ये 1.3 मीटर तक लंबे हो जाते हैं। ये अक्सर बगीचों, खेत-खलिहानों के पास दिख जाते हैं। सांप फ्रांस और यूक्रेन में पाए जाते हैं, जिन्हें ब्रिटेन में लाया गया था। ये यूरोप के सबसे बड़े सांपों में से एक हैं। इनकी लंबाई 1.3 से 1.6 मीटर तक हो जाती है।

पद की गरिमा गिराने वाले मोदी देश के पहले पीएम : मनमोहन

अग्निवीर जैसी योजना नकली राष्ट्रवाद का नमूना

» बोले- लगातार अपने नफरत भरे भाषणों से देश को विभाजित करने में लगे हैं प्रधानमंत्री

» गलत जीएसटी से लिया गया पैसा आपको देंगे वापस : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने वर्तमान पीएम नरेन्द्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने पंजाब के मतदाताओं से कहा कि केवल कांग्रेस ही विकासोन्मुख प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चि कर सकती है जहां लोकतंत्र और संविधान की रक्षा होगी। मनमोहन सिंह ने पंजाब के मतदाताओं से विकास और समावेशी प्रगति के लिए वोट देने तथा प्रेम, शांति, भाईचारे और सद्भाव को मौका देने की अपील की।

देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के इतने दिनों बाद अब पूर्व प्रधानमंत्री ने उस भाषण का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया। लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण से पहले देश की जनता को संबोधित एक पत्र में मनमोहन सिंह ने कहा कि मैं इस चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक चर्चा को बहुत ध्यान से देख रहा हूं।

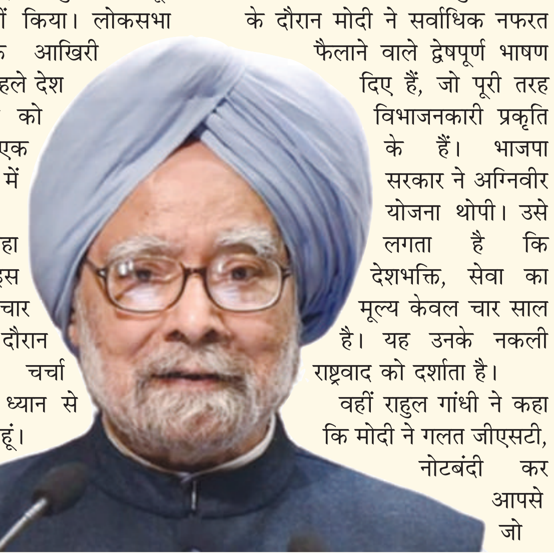

मोदीजी घृणित नफरत भरे भाषणों में लगे हुए हैं, जो पूरी तरह से विभाजनकारी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने सर्वाधिक नफरत फैलाने वाले द्वेषपूर्ण भाषण दिए हैं, जो पूरी तरह विभाजनकारी प्रकृति के हैं। भाजपा सरकार ने अग्निवीर योजना थोपी। उसे लगता है कि देशभक्ति, सेवा का मूल्य केवल चार साल है। यह उनके नकली राष्ट्रवाद को दर्शाता है।

वहीं राहुल गांधी ने कहा कि मोदी ने गलत जीएसटी, नोटबंदी कर आपसे जो पैसा लिया है, हम उसे आपकी जेब में वापस डालने जा रहे हैं। हम आपकी जेब में पैसे डालेंगे तो आप इस पैसे को यहीं खर्च करेंगे। आप यहां पैंट, शर्ट, कैमरा, फोन, जूते, जैसी चीजें खरीदेंगे।

कांग्रेस ही विकासोन्मुख प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर सकती है

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पंजाब के मतदाताओं से कहा कि केवल कांग्रेस ही विकासोन्मुख प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर सकती है जहां लोकतंत्र और संविधान की रक्षा होगी। मनमोहन सिंह ने पंजाब के मतदाताओं से विकास और समावेशी प्रगति के लिए वोट देने तथा प्रेम, शांति, भाईचारे और सद्भाव को मौका देने की अपील की। मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सार्वजनिक संवाद और प्रधानमंत्री पद की गंभीरता को कम किया। अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी विशेष वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ऐसे घृणित, असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया।

आजम खां को 10 साल की सजा और 14 लाख का जुर्माना

» डूंगरपुर के एक और मामले में सपा नेता को कोर्ट ने सुनाई सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। डूंगरपुर के एक और मामले में सपा नेता आजम खां को कोर्ट ने झटका दिया है। कोर्ट ने आजम खां को 10 साल की सजा 14 लाख जुर्माना की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान सपा नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सीतापुर जेल से जुड़े। सपा नेता आजम खां के खिलाफ 2019 में डूंगरपुर बस्ती में रहने वाले लोगों ने बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी, मारपीट समेत अन्य धाराओं में गंज थाने में 12 मुकदमे दर्ज कराए थे। इनमें से तीन मुकदमों में फैसला आ चुका है। दो मामलों में सपा नेता बरी हो चुके हैं, जबकि एक मामले में उन्हें सात साल की कैद की सजा सुनाई जा चुकी है। सपा नेता आजम खां फिलहाल सीतापुर जेल में बंद हैं।

इस मामले में बुधवार को कोर्ट ने आजम खां व ठेकेदार बरकत अली को दोषी करार दिया था। गुरुवार को दोनों को सजा सुनाई गई। सपा नेता आजम खां का आपराधिक इतिहास सजा का मुख्य कारण बन रहा है। आजम पर अब तक 108 मुकदमे दर्ज हुए हैं, जिसमें 80 मुकदमे ट्रायल पर चल रहे हैं। कोर्ट पिछले 17 माह में छह मामलों में सपा नेता को सजा सुना चुकी है। हालांकि, चार मामलों में उन्हें बरी भी किया जा चुका है। बरी किए गए एक मामले को अभियोजन की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। डूंगरपुर निवासी अबरार हुसैन ने गंज थाने में 13 अगस्त, 2019 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

महिला से टकराने के बाद युवक फॉर्च्यूनर से भिड़े : करण भूषण

» भाजपा प्रत्याशी ने काफिले की गाड़ी से 2 की मौत पर दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह ने कहा कि उनके काफिले के साथ हुई दुर्घटना, जिसमें मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई, दर्दनाक थी। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख और निवर्तमान सांसद बृज भूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह ने कहा कि दुर्घटना एक संयोग थी, यह कहते हुए कि युवक एक महिला से टकराने और वाहन के रास्ते में गिरने के बाद काफिले में एक कार की चपेट में आ गए।

करण ने कहा कि मुझे बहराईच में एक कार्यक्रम में जाना था और मैं अपने काफिले के साथ वहां जा रहा था। ये हादसा काफिले

की आखिरी कार के साथ हुआ। एक महिला सड़क के दाईं ओर से सड़क पार करने की कोशिश कर रही थी और दोनों बच्चे (मृतक) पहले महिला से टकराए और फिर सड़क के बाईं ओर गिर गए जब मेरी एक कार उनके ऊपर से गुजरी... बच्चे काफी छोटे थे... जब दुर्घटना हुई, मैं पहले ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुका था।

मृतकों के परिवारों पर हाईकोर्ट का मरहम

» अदालत ने किया यूपी सरकार को तलब

» निघासन तहसील में दशकों पूर्व बने पोस्टमार्टम हाउस का मामला, कोर्ट ने तुरंत चालू करने के दिए आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के जनपद, लखीमपुर खीरी की निघासन तहसील में दशकों पूर्व बने पोस्टमार्टम हाउस के क्रियाशील न होने के दृष्टिगत जनमानस को हो रही गंभीर असुविधा का प्रकरण उच्च न्यायालय लखनऊ पहुंचा। जनपद के जनसेवी अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने इसके लिए जनहित याचिका डाली थी। न्यायमूर्तिद्विय राजन रॉय एवं ओम प्रकाश शुक्ल के समक्ष इसपर सुनवाई हुई।

न्यायालय याचिकाकर्ता के अनुरोधों का संज्ञान में लेते हुए उक्त पोस्टमॉर्टम हाउस के

क्रियाशील न होने का यूपी सरकार से जवाब-तलब किया। याचिकाकर्ता ने माननीय न्यायालय से दूरस्थ तहसीलों से शवों को ज़िला पोस्टमॉर्टम हाउस लाने, ले जाने हेतु शव वाहन नियुक्त करने के अनुरोध के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी , खीरी से भी सावल किया। वहीं अदालत ने उक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने और वाहनों की वर्तमान अवस्था का आंकलन कर उक्त व्यवस्था को किये जाने का निर्देश भी दिया न्यायालय ने सरकार की इस आपत्ति को नकारा , कि जनपद में पर्याप्त मानव संसाधन नहीं हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता व अधिवक्ता हैदर ने डाली थी याचिका

असामयिक एवं अप्राकृतिक आपदाओं में मृत्यु होने से टूटे हुए परिवारों की समस्याओं से आहत होकर मोहम्मद हैदरअधिवक्ता ने दाखिल की थी याचिका। याचिका दाखिल करने से पूर्व प्रकरण में मोहम्मद हैदर ने लगभग 4 वर्षों से किया था शोध एवं एकत्रित की थी वस्तुपरक जानकारी जो उनकी वृहद जनहित याचिका में उल्लिखित थी ।

सिंगापुर ओपन के फाइनल में हारीं पीवी सिंधु

» स्पेन की कैरोलिना मारिन ने तोड़ा सपना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिंगापुर। पीवी सिंधु को अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी कैरोलिना मारिन के खिलाफ 18-15 की बढ़त बनाने के बाद सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा। पिछले सप्ताह थाईलैंड ओपन में उपविजेता रही सिंधु ने एक घंटे आठ मिनट तक चला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 का यह मुकाबला 21-13, 11-20, 20-22 से गंवाया।
डेनमार्क ओपन सेमीफाइनल में हुई बहस के बाद दोनों खिलाड़ी सात महीने में पहली बार एक दूसरे का सामना कर रही थी।

पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी मारिन ने शानदार वापसी करते हुए लगातार छह अंक बनाये और 17-7 की बढ़त बना ली। इसके बाद सिंधु को वापसी का मौका नहीं देकर मैच को निर्णायक गेम तक खींचा। निर्णायक गेम में सिंधू ने बढत बनाई लेकिन मारिन ने वापसी करके जीत दर्ज की। यह सिंधू के खिलाफ 17 मैचों में उनकी 12वीं जीत थी।

प्रज्ञानानंद ने वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को दी मात

आर प्रज्ञानानंद ने क्लासिकल शतरंज में वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन को शिकस्त देकर इतिहास रच दिया है। प्रज्ञानानंद ने ये जीत नॉर्वे चेस टूर्नामेंट 2024 में 29 मई को दर्ज की है, जो नोर्वे के स्टावेंजर में चल रहा है। 18 वर्षीय प्रज्ञानानंद ने वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन को उनके ही घर में जाकर हराया है। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने क्लासिकल शतरंज में वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन को शिकस्त देकर इतिहास रच दिया है। प्रज्ञानानंद ने ये जीत नॉर्वे चेस टूर्नामेंट 2024 में 29 मई को दर्ज की है, जो नोर्वे के स्टावेंजर में चल रहा है। 18 वर्षीय प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को उनके ही घर में जाकर हराया है।

प्रचंड लू ने यूपी-बिहार में 200 से ज्यादा की जान ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर में बीते कई दिनों से भीषण गर्मी और लू का कहर जारी है। इस बीच नौतपा में बढ़ते तापमान ने सांसों पर संकट खड़ा कर दिया है। लू के कारण देश में दो सौ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बिहार में प्रचंड गर्मी भीषण लू आपदा बनकर टूटी है। यहां 12 जिलों में 65 लोगों की मौत हुई है, जबकि? प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में ढाई सौ से अधिक लोग भर्ती हैं। भोजपुर रोहतास और औरंगाबाद में स्थिति और भी खराब है।

ओडिशा में एक दिन में 19 लोगों ने तोड़ा दम

पटना समेत पूरा बिहार गर्मी की मार से झुलस रहा है। वाराणसी और आसपास के इलाकों में सबसे ज्यादा मौतें

वहीं, उत्तर प्रदेश में भी भीषण लू और अत्याधिक गर्मी के कारण 160 से अधिक लोगों की जान चली गई। यूपी में सबसे अधिक 72 मौतें वाराणसी और इसके आसपास के इलाकों में हुई है।

उत्तर-पश्चिम भारत में अभी सताएगी गर्मी, कल से बारिश के आसार

उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, यूपी, पश्चिम राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, झारखंड, बिहार व ओडिशा में शुक्रवार को लू के आसार हैं। साथ ही पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, बिहार, झारखंड और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर एक जून को भी लू चल सकती है। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत में लू चल रही है। मौसम विभाग के अनुसार, 31 मई और एक जून को लू का असर ज्यादा रहेगा। हालांकि, एक जून और इसके बाद हल्की बूंदा-बांदी और धूल भरी हवाओं के चलने से कुछ राहत मिलेगी। देश की राजधानी दिल्ली में लू की वजह से पहली मौत दर्ज की गई। मृतक मजदूर था और उसे 107 डिग्री बुखार था। वहीं, यूपी के बांदा में एक मालगाड़ी के लोको पायलट को हीट स्ट्रोक के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया।

योगी सरकार की पुलिस की नाक के नीचे हुई शर्मनाक हरकत

20 गाड़ियों से सड़क घेर मनाया जन्मदिन का जश्न

» यूपी पुलिस मुख्यालय से चंद दूरी पर रईसजादों ने उड़ाया कानून का मजाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोंडा में भाजपा प्रत्याशी के काफिले से दो लोगों की मौत और उससे पहले पुणे में पोर्श गाड़ी से दो लागों की जान जाने के मामले की जांच अभी पूरी भी नहीं हुई थी कि यूपी की राजधानी लखनऊ में योगी सरकार की पुलिस की नाक नीचे कई गाड़ियों से पूरे सड़क को घेर कर रईसजादों ने जन्मदिन मनाया। उनकी इस हरकत से भीषण गर्मी में राहगीर भी परेशान हो गये। दरअसल लखनऊ में जन्मदिन का ऐसे जश्न का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें कि रास्ता ही जाम कर दिया और अमीरजादे नियम-कानून को ताक पर रख बेखौफ लोग बीच सड़क पर पार्टी करते रहे। लखनऊ के पॉश इलाके में बीच सड़क पर एक रईसजादे के जन्मदिन का जश्न मनाया जा रहा है। 20 से ज्यादा गाड़ियों ने सर्विस रोड को जाम कर रखा है.। लड़के कारों के ऊपर खड़े होकर हुड़दंग मचा रहे हैं। गुरुवार को इस वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए केस दर्ज कर लिया है।

“वायरल वीडियो पर एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस शशांक सिंह ने कहा कि वायरल वीडियो में शहीद पथ पर दो मॉल के बीच सर्विस लेन में 20-25 कारें खड़ी दिखाई दे रही हैं। पुलिस को पता चला है कि ये लोग जन्मदिन का जश्न मना रहे थे। अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कार की नंबर प्लेटों के जरिए कुछ लोगों की पहचान की है, जब कि अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में दर्दनाक हादसा, यूपी में छाया मातम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। जम्मू जिले में तीर्थयात्रियों से भरी एक बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस ने बताया कि हादसे में 21 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना चोकी चोरा में तंगली मोड़ पर हुई। मरने वालों में यूपी के लोगों की संख्या अधिक है।

अधिकारी ने बताया कि बस लगभग 150 फीट नीचे खाई में लुढ़क गई। जानकारी के मुताबिक ये बस हरियाणा के कुरुक्षेत्र क्षेत्र से तीर्थयात्रियों को शिव खोरी क्षेत्र में लेकर जा रही था। राजिंदर सिंह तारा ने कहा, बस शिव खोरी की ओर जा रही थी। यहां मोड़ तो बहुत सामान्य है। यहां कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए थी लेकिन शायद ड्राइवर को नींद आ गई। बस मुड़ने के बजाय सीधे चली गई और फिर नीचे गिर गई। जम्मू-कश्मीर परिवहन आयुक्त राजिंदर सिंह तारा ने कहा, बस शिव खोरी की ओर जा रही थी। यहां कट बहुत सामान्य है, यहां कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए थी लेकिन शायद ड्राइवर को नींद आ गई थी...बस मुड़ने के बजाय सीधे चली गई और फिर नीचे गिर गई...इस दुर्घटना में करीब 22 लोग की मृत्यु हुई।

बस में करीब 50 यात्री सवार थे

बस में करीब 50 यात्री सवार थे। ये दुर्घटना अखनूर शहर से लगभग 15 किलोमीटर दूर हुई, जब बस अचानक सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई। इंडियन आर्मी ने क्विक रिएक्शन मेडिकल टीम को तैनात किया है। ये बचाव कार्य में प्रशासन की मदद कर रहे हैं। दुर्घटना स्थल से घायल व्यक्तियों को निकाला जा रहा है और हर संभव सहायता दी जा रही है।

22 की मौत, उप्र के मृतकों की संख्या सबसे ज्यादा

150 फीट गहरी खाई में गिरी थी यात्रियों से भरी बस

अलीगढ़ के कई श्रद्धालु

पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पंजीकरण नंबर यूपी81सीटी-4058 वाली बस खाई में गिर गई। बस हरियाणा के कुरुक्षेत्र से श्रद्धालुओं को लेकर जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के पौनी इलाके में शिवखोड़ी जा रही थी। बस ने अपना सफर उत्तर प्रदेश से शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से एक महिला की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के निवासी राधेश्याम की पत्नी धरमपति (42) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि अधिकतर पीड़ित उत्तर प्रदेश के हैं। सेना, पुलिस और स्थानीय लोगों ने शवों और घायलों को रस्सियों के सहारे खाई से बाहर निकाला।

योगी ने किया मुआवजे का ऐलान

“उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में हुए बस हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट की और मुआवजे का ऐलान किया।

रविवार को सरेंडर करेंगे सीएम अरविंद केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शक्रवार (31 मई) को कहा कि वो रविवार (2 जून) को सरेंडर करेंगे। उन्होंने कहा, किसुप्रीम कोर्ट ने मुझे 21 दिनों को मोहलत दी थी। कल 21 दिन पूरे हो रहे हैं। परसों (रविवार) हमें सरेंडर करना है।

» मुख्यमंत्री बोले- मेरे हौसले बुलंद

मैं तिहाड़ जेल चला जाऊंगा, मुझे नहीं पता कि कब तक मुझे तिहाड़ जेल में रखेंगे। पर मेरे हौसले बुलंद हैं, देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिन में चार बार इन्सुलिन के इंजेक्शन लगते हैं. जेल में इन्होंने कई दिन तक मेरे इंजेक्शन बंद कर दिए, शुगर 300-325 तक पहुंच गए. इतने दिन तक शुगर इतनी हाई रहती है, तो किडनी और लीवर खराब हो जाते हैं। पता नहीं ये क्या चाहते थे, ऐसा क्यों किया। उन्होंने कहा, जेल में मैं 50 दिन था और इन 50 दिनों में मेरा 6 किलो वजन कम हो गया। जब मैं जेल गया तो मेरा वजन 70 किलो का था, आज 64 किलो है।

मुंगेर में पुनर्मतदान की मांग वाली याचिका खारिज

» विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, हाईकोर्ट जाने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें भारत निर्वाचन आयोग को बिहार के मुंगेर निर्वाचन क्षेत्र के कुछ मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति एस सी शर्मा और न्यायमूर्ति पी बी वराले की अवकाश पीठ ने याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय जाने को कहा। पीठ ने कहा, आप उच्च न्यायालय क्यों नहीं जाते? इस देश में उच्च न्यायालय बंद नहीं हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से मुंगेर में चुनाव में भारी धांधली और मतदान केंद्रों पर कब्जा करने की घटनाएं हुई। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस मामले पर विचार करने की इच्छुक नहीं है जिसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली।

जदयू कार्यकर्ताओं ने लगाए थे हेरफेर के आरोप

याचिका में आरोप लगाया गया था कि अधिकारियों की मदद से जद (यू) कार्यकर्ताओं ने गंभीर हेरफेर, मतदान केंद्रों पर कब्जा और धांधली की। इसमें यह भी निवेदन किया गया था कि मुंगेर के जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सिंह को सभी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से हटाने का निर्देश दिया जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।